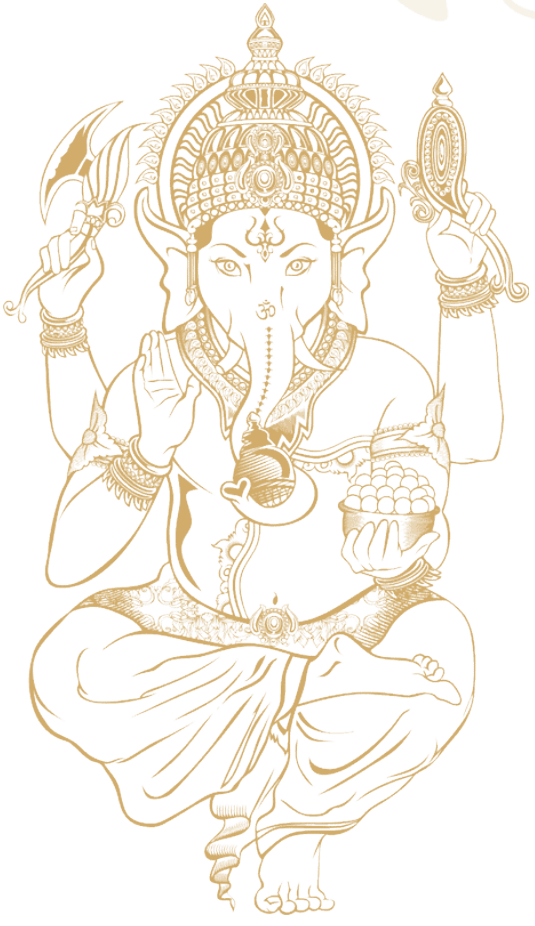

SHAMBHAVI SINGH

17 May 2025

04:20 PM

Daltonganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 120194202

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/05/2025**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**16:20:00 घंटे**
इष्ट	27:53:57 घटी
स्थान	**Daltonganj**
राज्य	Jharkhand
देश	India

अक्षांश	24:02:00 उत्तर
रेखांश	84:04:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:26:16 घंटे
वेलान्तर	00:03:35 घंटे
साम्पातिक काल	08:07:50 घंटे
सूर्योदय	05:10:25 घंटे
सूर्यास्त	18:30:10 घंटे
दिनमान	13:19:45 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:34:33 वृष
लग्न के अंश	04:45:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पूर्वाषाढ़ा - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ढा-ढपली
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	04:45:57	322:53:52	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
सूर्य			वृष	02:34:33	00:57:48	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	25:56:02	12:35:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	19:18:26	00:30:09	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	नीच राशि
बुध		अ	मेष	18:15:25	01:54:39	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
गुरु			मिथु	00:35:13	00:12:55	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	17:36:37	00:49:47	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	उच्च राशि
शनि			मीन	05:10:19	00:05:05	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		मीन	00:58:29	00:06:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	00:58:29	00:06:44	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:03:18	00:03:31	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:20:33	00:01:29	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो	व		मक	09:34:09	00:00:21	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	05:34:31	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:42

लग्न-चलित

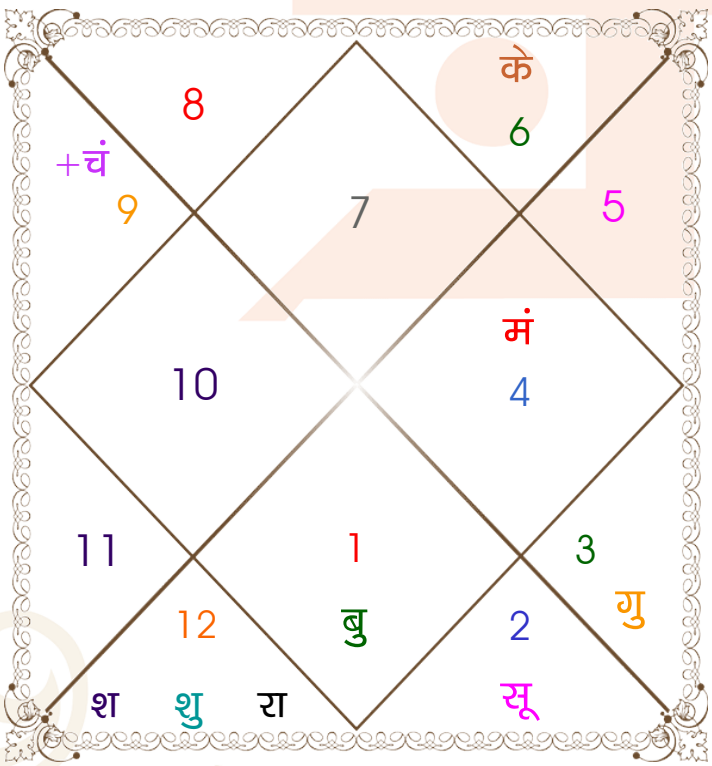

चन्द्र कुंडली

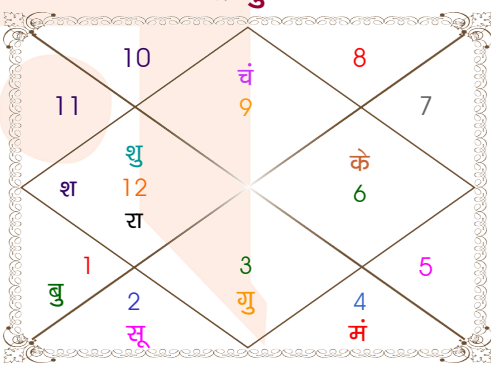

नवमांश कुंडली

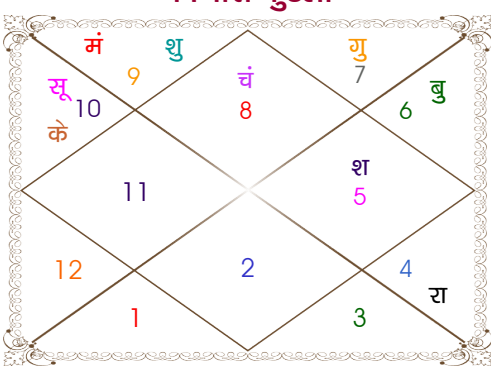

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 1 वर्ष 1 मास 5 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
17/05/2025		23/06/2026		22/06/2032		23/06/2042		22/06/2049	
23/06/2026		22/06/2032		23/06/2042		22/06/2049		23/06/2067	
	00/00/0000	सूर्य	10/10/2026	चंद्र	22/04/2033	मंगल	19/11/2042	राहु	05/03/2052
	00/00/0000	चंद्र	11/04/2027	मंगल	22/11/2033	राहु	07/12/2043	गुरु	29/07/2054
	00/00/0000	मंगल	17/08/2027	राहु	23/05/2035	गुरु	12/11/2044	शनि	04/06/2057
	00/00/0000	राहु	10/07/2028	गुरु	21/09/2036	शनि	22/12/2045	बुध	22/12/2059
	00/00/0000	गुरु	29/04/2029	शनि	23/04/2038	बुध	19/12/2046	केतु	09/01/2061
	00/00/0000	शनि	11/04/2030	बुध	22/09/2039	केतु	17/05/2047	शुक्र	10/01/2064
	00/00/0000	बुध	15/02/2031	केतु	22/04/2040	शुक्र	16/07/2048	सूर्य	03/12/2064
	17/05/2025	केतु	23/06/2031	शुक्र	22/12/2041	सूर्य	21/11/2048	चंद्र	04/06/2066
केतु	23/06/2026	शुक्र	22/06/2032	सूर्य	23/06/2042	चंद्र	22/06/2049	मंगल	23/06/2067

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/06/2067		23/06/2083		24/06/2102		24/06/2119		24/06/2126	
23/06/2083		24/06/2102		24/06/2119		24/06/2126		18/05/2145	
गुरु	10/08/2069	शनि	26/06/2086	बुध	19/11/2104	केतु	20/11/2119	शुक्र	23/10/2129
शनि	21/02/2072	बुध	05/03/2089	केतु	16/11/2105	शुक्र	19/01/2121	सूर्य	23/10/2130
बुध	29/05/2074	केतु	14/04/2090	शुक्र	16/09/2108	सूर्य	27/05/2121	चंद्र	23/06/2132
केतु	05/05/2075	शुक्र	13/06/2093	सूर्य	24/07/2109	चंद्र	26/12/2121	मंगल	23/08/2133
शुक्र	03/01/2078	सूर्य	26/05/2094	चंद्र	23/12/2110	मंगल	24/05/2122	राहु	23/08/2136
सूर्य	22/10/2078	चंद्र	26/12/2095	मंगल	20/12/2111	राहु	12/06/2123	गुरु	24/04/2139
चंद्र	21/02/2080	मंगल	02/02/2097	राहु	09/07/2114	गुरु	18/05/2124	शनि	24/06/2142
मंगल	27/01/2081	राहु	10/12/2099	गुरु	14/10/2116	शनि	26/06/2125	बुध	23/04/2145
राहु	23/06/2083	गुरु	24/06/2102	शनि	24/06/2119	बुध	24/06/2126	केतु	18/05/2145

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 1 वर्ष 1 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।